दैनिक भास्कर हनुमानगढ़ भास्कर 20-08-2026

कुलगुरु डॉ. दुबे ने कृषि महाविद्यालय हनुमानगढ़ में विद्यार्थियों से किया संवाद

हनुमानगढ़। कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र बाबू दुबे ने बुधवार को कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़ का दौरा कर विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान कुल गुरु ने विद्यार्थियों द्वारा रखी गई विभिन्न समस्याओं पर सकारात्मकता से विचार करते हुए महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. हनुमाना राम को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करना विश्वविद्यालय प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

कुल गुरु डॉ. दुबे ने विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ अपनी ऊर्जा का उपयोग अध्ययन एवं भविष्य निर्माण में लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़ के अधिष्ठाता डॉ. हनुमाना राम, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी. एस. आचार्य, डॉ. चन्द्रभान, डॉ. उपेन्द्र मील एवं डॉ. हरजिन्दर सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर गंगानगर 20-08-2026

कुलगुरु दुबे ने कृषि महाविद्यालय में मशरूम यूनिट का उद्घाटन किया

श्रीगंगानगर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को यहां श्रीगंगानगर कृषि महाविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। इस दौरान महाविद्यालय में नव स्थापित फूड प्रोसेसिंग और मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी एक्सपीरियंशियल लर्निंग यूनिट्स का उद्घाटन किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता बीएस मीणा के अनुसार इन इकाइयों से विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। फूड प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए श्रीगंगानगर के किन्नू के प्रसंस्करण पर शोध को बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने और रोजगार के अवसर बनने की संभावना बताई गई। दौरे के दौरान दुबे ने कृषि स्नातक तृतीय वर्ष के छात्रों से संवाद किया। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धियों और फीडबैक पर चर्चा की। परीक्षा नियंत्रक बीएस आचार्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कुलगुरु ने श्रीगंगानगर कृषि महाविद्यालय का दौरा किया

बीकानेर/ श्रीगंगानगर, 19 अगस्त। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर का दौरा कर महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। डॉ दुबे ने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली तथा स्टाफ से भी संवाद किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. बी.एस. मीणा ने बताया कि कुल गुरु ने महाविद्यालय में नव स्थापित एक्सपीरियंस लर्निंग यूनिट्स -फूड प्रोसेसिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया। कुलगुरु ने महाविद्यालय अकादमी गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय के पास आउट विद्यार्थियों के बारे में भी फीडबैक लिया तथा उनकी एकेडमिक उपलब्धियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कृषि स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. आचार्य सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. रूप सिंह मीणा, अथिति व्याख्याता डॉ कोमल, श्री राम वर्मा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलगुरु ने श्रीगंगानगर कृषि महाविद्यालय का दौरा किया

फूड प्रोसेसिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी यूनिट का किया उद्घाटन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर/ श्रीगंगानगर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर का दौरा कर महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

डॉ दुबे ने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली तथा स्टाफ से भी संवाद किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. बी.एस. मीणा ने बताया कि कुल गुरु ने महाविद्यालय में नव स्थापित एक्सपीरियंस लर्निंग यूनिट्स -फूड प्रोसेसिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी का उद्घघाटन किया। कुलगुरु ने महाविद्यालय अकादमी गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय के पास आउट विद्यार्थियों के बारे में भी फीडबैक लिया तथा उनकी एकेडमिक उपलब्धियों के बारे में चर्चा की।

उन्होंने कृषि स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. आचार्य सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. रूप सिंह मीणा, अथिति व्याख्याता डॉ कोमल, राम वर्मा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलगुरु ने श्रीगंगानगर कृषि महाविद्यालय का दौरा किया

फूड प्रोसेसिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी यूनिट का किया उद्घाटन

श्रीगंगानगर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर का दौरा कर महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। डॉ दुबे ने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली तथा स्टाफ से भी संवाद किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. बी.एस. मीणा ने बताया कि कुल गुरु ने महाविद्यालय में नव स्थापित एक्सपीरियंस लर्निंग यूनिट्स -फूड प्रोसेसिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया। कुलगुरु ने महाविद्यालय अकादमी गतिविधियों की सराहना की।

उन्होंने महाविद्यालय के पास आउट विद्यार्थियों के बारे में भी फीडबैक लिया तथा उनकी एकेडमिक उपलब्धियों के बारे में चर्चा की।

उन्होंने कृषि स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों से संवाद किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. आचार्य सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. रूप सिंह मीणा, अथिति व्याख्याता डॉ कोमल, राम वर्मा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर गंगानगर 20-08-2026

कुलगुरु दुबे ने कृषि महाविद्यालय में मशरूम यूनिट का उद्घाटन किया

श्रीगंगानगर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को यहां श्रीगंगानगर कृषि महाविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। इस दौरान महाविद्यालय में नव स्थापित फूड प्रोसेसिंग और मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी एक्सपीरियंशियल लर्निंग यूनिट्स का उद्घाटन किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता बीएस मीणा के अनुसार इन इकाइयों से विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। फूड प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए श्रीगंगानगर के किन्नू के प्रसंस्करण पर शोध को बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने और रोजगार के अवसर बनने की संभावना बताई गई। दौरे के दौरान दुबे ने कृषि स्नातक तृतीय वर्ष के छात्रों से संवाद किया। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धियों और फीडबैक पर चर्चा की। परीक्षा नियंत्रक बीएस आचार्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
THU,20 AUGUST 2026
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

खरपतवार-गाजर घास पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर, 19 अगस्त (प्रेम) : खरपतवार-गाजर घास के प्रतिकूल प्रभावों व प्रबंधन की जानकारी हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों, विद्यार्थियों को गाजर घास से स्वास्थ्य, पर्यावरण व खेती पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी दी गई।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ शीश पाल सिंह ने बताया कि पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस या गाजर घास एक आक्रामक खरपतवार है, जो फसलों और स्थानीय जैव विविधता को प्रभावित करने के साथ मानव एवं पशु स्वास्थ्य के लिए भी परेशानी का कारण बन सकता है। डॉ रूपेश मीना ने गाजर घास में पाए जाने वाले विषाक्त पदार्थों व उनके प्रभाव के बारे में बताया।

गाजर घास पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। (प्रेम)

डॉ. बी.डी.एस. नाथावत ने गाजर घास को विभिन्न बीमारियों से जुड़े रोगाणुओं एवं कीट-पतंगों के लिए आश्रय स्थल बताते हुए इसके समयबद्ध नियंत्रण पर जोर दिया। डॉ. ब्रिज सिंह मीना ने गाजर घास के नियंत्रण की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। विशेषज्ञों के अनुसार गाजर घास के नियंत्रण में समय पर उखाड़ने, जैव नियंत्रण तथा समेकित खरपतवार प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं।

डॉ भूपेंद्र सिंह ने कहा कि फूल एवं बीज बनने से पहले ही नियंत्रित कर गाजर घास को समूल नष्ट करने के प्रयास किए जाएं, ताकि इसके बीजों के प्रसार को रोका जा सके।

कार्यक्रम के समापन पर कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली। विद्यार्थियों ने "गाजर घास भगाओ-पर्यावरण बचाओ" और "गाजर घास भगाओ-कृषि बचाओ" जैसे नारों के माध्यम से आमजन एवं किसानों को इस आक्रामक खरपतवार के नियंत्रण के लिए जागरूक किया।